



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..... रजिस्ट्रेशन नंबर.....

दिनांक/.12.2020 पृष्ठ संख्या..... 2 कॉलम..... 3-8

भौगोलिक स्थिति व अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा को ध्यान में रखकर करें रिसर्च : प्रो. समरप

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। वैज्ञानिक मौजूदा समय में बदलते जलवायु परिवेश, भौगोलिक परिस्थितियों व अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा को ध्यान में रखते हुए अपने अनुसंधान कार्य को आगे बढ़ाएं। इससे एक ओर जहां फसलों की गुणवत्ता कायम रहेगी, वहां दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी उनकी डिमांड बढ़ेगी। यह बात चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कही। वे बुधवार को विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र बावल, कृषि विज्ञान केंद्र व कृषि महाविद्यालय बावल में चल रहे अनुसंधान, शिक्षण, विस्तार व अन्य कार्यों का जायजा लेने के बाद वैज्ञानिकों से रुबरू हो रहे थे।

इस दौरान उन्होंने जल संरक्षण के लिए केंद्र में चल रहे टपका सिंचाई व अन्य तकनीकों का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिकों को अपना काम पूरी निष्ठा व कर्तव्य से करना चाहिए और उनका मुख्य लक्ष्य विश्वविद्यालय



क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र के भ्रमण के दौरान जानकारी लेते कुलपति प्रोफेसर समर सिंह।

द्वारा विकसित नई नई तकनीकों व विभिन्न फसलों की उन्नत किसी की जानकारी किसानों तक पहुंचाना होना चाहिए। उन्होंने किसानों से समर्चित खेती को अपनाने का आह्वान करते हुए कहा कि इससे किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। जिन क्षेत्रों में भूमि कम उपजाऊ है, वहां किसान समर्चित वर्ग के राज्य मंत्री डॉ. बनवारी लाल ने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों से कहा कि वे फसल उत्पादों की गुणवत्ता पर अधिक जोर इजाफा कर सकते हैं। विश्वविद्यालय के

कुलपति ने वैज्ञानिकों से बागवानी, मशरूम उत्पादन, मधुमक्खी पालन व जैविक खेती को बढ़ावा देने का आह्वान किया।

गुणवत्ता पर हो अधिक जोर:

कुलपति के साथ बावल के क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र में अपने भ्रमण के दौरान सहकारिता एवं पिछड़ा वर्ग के राज्य मंत्री डॉ. बनवारी लाल ने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों से कहा कि वे

एचयू के बावल स्थित क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र, कृषि विज्ञान केंद्र व कृषि महाविद्यालय का किया दौरा कहा- समन्वय खेती को बढ़ावा दें किसान, आर्थिक स्थिति होणी मजबूत

दें। इससे इनकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में मांग बढ़ेगी और किसान भी आर्थिक रूप से समृद्ध हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि वे दक्षिणांचली पश्चिमी हरियाणा में रिसर्च नी विश्वविद्यालय के बावल का अनुसंधान केंद्र के लिए सरकारी संगठन अतिरिक्त बजट की मांग करेंगे ताकि यहां और अधिक सुविधाएँ हों मुहैया करवाई जा सकें।

ये रहे मौजूद : क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र में विश्वविद्यालय के कुलपति के साथ अनुसंधान निदेशक डॉ. नरेश कौशिक द्वारा सहरावत, अतिरिक्त अनुसंधान में निदेशक डॉ. नीरज कुमार, प्रोफेसर डायरेक्टर क्षेत्रीय अनुसंधान निदेशक डॉ. विक्रम सिंह, कृषि महाविद्यालय के प्रिंसिपल डॉ. नरेश कौशिक हार्डी वरिष्ठ संयोजक डॉ. जोगेंद्र सिंह सहित क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र, कृषि महाविद्यालय, कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक व अन्य स्टाफ में सदस्य मौजूद थे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

पांच बजे

समाचार पत्र का नाम.....

दिनांक २१.१२.२०२० पृष्ठ संख्या..... कॉलम.....

एचएयू के बावल स्थित क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र, कृषि विज्ञान केंद्र व कृषि महाविद्यालय का किया दौरा

समन्वित खेती को बढ़ावा दें किसान, आर्थिक स्थिति होगी मजबूत : प्रो. समर सिंह

पांच बजे ब्लॉग

हिसार। वैज्ञानिक मैंजुदा समय में बदलते जलवाया परिवेश, भौगोलिक पर्यावरणीयों व अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरणीयों को ध्यान में रखते हुए अपने अनुसंधान कार्यों को आगे बढ़ाए। इससे एक और जलवाया पर्यावरणीय कार्यम रहेगी जहाँ दूसरी ओर अंतर्राष्ट्रीय बाजार में भी उनको दिमाड बढ़ायेगा। उक्त विज्ञान जौही चरण स्थित हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा वे विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र बाबत, कृषि विज्ञान केंद्र व कृषि महाविद्यालय बाबत में चल रहे अनुसंधान, विज्ञान, वित्तार व अग्र वर्कर्स का जायजा लाने के उपरांत वैज्ञानिकों से सबक हो रहे हैं। यह दौरा उन्हें जल संरक्षण के लिए केंद्र में चल रहे टपकन विचारणा व अग्र तकनीकों का जायजा दिया। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिकों का आगामी कार्य पूरी निष्ठा व कठोर से करना चाहिए और उनका मुख्य लक्ष्य विश्वविद्यालय द्वारा



विकसित नई-नई तकनीकों व विभिन्न फसलों की उत्तम किसिनी की जानकारी विज्ञान तक पहुंचना होना चाहिए। इसके अलावा जैविक खेती को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। ताकि नवत ज्ञान-पर्याप्त व अधिक स्वास्थ्यों के प्रयोग से बढ़ रही बीमारियों पर अंतुक लगावा जा सके।

आख्यान किया। उन्होंने कहा कि मशकूम व मधुमक्खी का व्यवसाय विकास कम लागत से शुरू कर सकता है और अधिक मुनाफा कमा सकता है। इसी प्रवार कम विवरणीय जल में टपक सिंचाई कारगर याकिं हो सकती है और वहाँ किसान मधुमक्खी पालन भी अपनी से कर सकता है। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक फसलों, फलों व सब्जियों की नई किसियों व तकनीकों को विकसित करते हुए उसका लाभ हर छोटी से छोटी जित वाले किसान तक पहुंचना चाहिए। इसके अलावा जैविक खेती को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। ताकि नवत ज्ञान-पर्याप्त व अधिक स्वास्थ्यों के प्रयोग से बढ़ रही बीमारियों पर अंतुक लगावा जा सके।

गृहिणी का कम ऊपजात है, वहाँ किसान में भी कम कम ऊपजात है, वहाँ किसान समन्वयत कृषि प्रणाली अपनाकर अपनी आमदनी में इजाजा कर सकते हैं।

कृषिपति के साथ बाबत के क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र में अपने ध्यान के दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति ने वैज्ञानिकों से विश्वविद्यालय व अनुसंधान केंद्र के वैज्ञानिकों को आगामी कार्यकारी लालने वे विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों

में कहा कि वे कम्पल उत्पादों की गुणवत्ता पर अधिक जोर दें ताकि इनकी अंतर्राष्ट्रीय बाजार में मांग बढ़े और किसान भी आर्थिक रूप से समृद्ध हो सके। उन्होंने कहा कि वे विश्वविद्यालय के बाबत अनुसंधान केंद्र के लिए सरकार से अतिरिक्त बजट की मांग करेंगे ताकि वहाँ और अधिक युवाओं मुहिया करवाई जा सके। और किसानों का भला हो सके।

ये ही पौंज

क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र में विश्वविद्यालय के कुलपति के साथ अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सरसरवत, अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान निदेशक डॉ. नीरज कुमार, प्रोजेक्ट डायरेक्टर डॉ. मलेश खान्दा, बाबत के क्षेत्रीय अनुसंधान निदेशक डॉ. विजय सिंह, कृषि महाविद्यालय के प्रिंसिपल डॉ. नरेश कौशिक, विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र में अपने ध्यान के दौरान विश्वविद्यालय, कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक व अन्य स्टाफ सदस्य मौजूद थे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....
पंजाब मेसरी.....
दिनांक ..3.12.2020 पृष्ठ संख्या..... 3 कॉलम..... 4-7.....

‘समन्वित खेती को बढ़ावा दें किसान, आर्थिक स्थिति होगी मजबूत’

■ वैज्ञानिक भौगोलिक स्थिति व
अंतर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा को ध्यान में
रखकर करें रिसर्च : प्रो. सनर सिंह

हिसार, 2 दिसम्बर (ब्यूरो) : वैज्ञानिक मौजूदा समय में बदलते जल वायु, परिवेश, भौगोलिक परिस्थितियों व अंतर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा को ध्यान में रखते हुए अपने अनुसंधान कार्य को आगे बढ़ाएं। इससे एक ओर जहां फसलों की गुणवत्ता कायम रहेगी, वहां दूसरी ओर अंतर्राष्ट्रीय बाजार में भी उनकी डिमांड बढ़ेगी। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ने कहे। वे विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र बावल, कृषि विज्ञान केंद्र व कृषि महाविद्यालय बावल में चल रहे अनुसंधान, शिक्षण, विस्तार व अन्य कार्यों का जायजा लेने के उपरांत वैज्ञानिकों से रूबरू हो रहे थे। इस दौरान उन्होंने जल संरक्षण के लिए केंद्र में चल रहे टपका सिंचाइ व अन्य तकनीकों का जायजा लिया।

उन्होंने कहा कि वैज्ञानिकों को अपना काम पूरी निष्ठा से करना

गुणवत्ता पर हो अधिक जोर : डा. बनवारी लाल

कुलपति के साथ बावल के क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र में अपने भ्रमण के दौरान सहकारिता एवं पिछड़ा वर्ग के राज्य मंत्री डा. बनवारी लाल ने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों से कहा कि वे फसल उत्पादों की गुणवत्ता पर अधिक जोर दें, ताकि इनकी अंतर्राष्ट्रीय बाजार में मांग बढ़े और किसान भी आर्थिक रूप से समृद्ध हो सके। उन्होंने कहा कि वे दक्षिण-पश्चिमी हरियाणा में स्थित विश्वविद्यालय के बावल अनुसंधान केंद्र के लिए सरकार से अतिरिक्त बजट की मांग करेंगे, ताकि यहां ओर अधिक सुविधाएं मुहैया करवाई जा सकें और किसानों का भला हो सके।

चाहिए और उनका मुख्य लक्ष्य विश्वविद्यालय द्वारा विकसित नई नई तकनीकों व विभिन्न फसलों की उन्नत किस्मों की जानकारी किसानों तक पहुंचाना होना चाहिए। उन्होंने किसानों से समन्वित खेती को अपनाने का आह्वान करते हुए कहा कि इससे किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। जिन क्षेत्रों में भूमि कम उपजाऊ है, वहां किसान समन्वित कृषि प्रणाली अपनाकर अपनी आमदनी में इजाफा कर सकते हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति ने वैज्ञानिकों से बागवानी, मशरूम उत्पादन, मधुमक्खी पालन व जैविक खेती को बढ़ावा देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक फसलों, फलों व सब्जियों की नई किस्मों व तकनीकों को विकसित करते समय इस बात का भी खास ध्यान रखें कि उसका लाभ हर छोटी से छोटी जोत वाले किसान तक पहुंचना चाहिए। इसके अलावा जैविक खेती को बढ़ावा दिया जाना चाहिए ताकि गलत खानपान व अधिक रसायनों के प्रयोग से बढ़ रही बीमारियों पर अंकुश लगाया जा सके।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

सैनिक जागरण

समाचार पत्र का नाम.....

दिनांक .३.१२.२०२१ पृष्ठ संख्या.....३ कॉलम.....२८

सलाह

वीसी ने एचएयू के बावल स्थित क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र, कृषि विज्ञान केंद्र व कृषि महाविद्यालय का किया दौरा

समन्वित खेती को बढ़ावा दें किसानः प्रो. समर

जागरण संबाददाता, हिसारः
विज्ञानी मौजूदा समय में बदलते
जलवायु परिवेश, भौगोलिक
परिस्थितियों व अंतरराष्ट्रीय
प्रतिस्पर्धा को ध्यान में रखते
हुए अपने अनुसंधान कार्य को
आगे बढ़ाएं। इससे एक ओर
जहां फसलों की गुणवत्ता
कायम रहेगी, वहीं दूसरी ओर
अंतरराष्ट्रीय बाजार में उनकी
डिमांड बढ़ेगी। यह बातें हरियाणा
कृषि विवि के कुलपति प्रो. समर
सिंह ने कहे। वे विश्वविद्यालय
के क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र
बावल, कृषि विज्ञान केंद्र व
कृषि महाविद्यालय बावल में
चल रहे अनुसंधान, शिक्षण,
विस्तार व अन्य कार्यों का
जायजा लेने के बाद विज्ञानियों
से रूबरू हो रहे थे।



हिसार : क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र के भ्रमण के दौरान कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व अन्य अधिकारी । ● विज्ञप्ति ।

गुणवत्ता पर हो अधिक जोर : डा. बनवारी लाल
कुलपति के साथ बावल के क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र में अपने
भ्रमण के दौरान सहकारिता एवं पिछड़ा वर्ग के राज्य मंत्री
डा. बनवारी लाल ने विश्वविद्यालय के विज्ञानियों से कहा
कि वे फसल उत्पादों की गुणवत्ता पर अधिक जोर दें ताकि
इनकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में मांग बढ़े और किसान भी
आर्थिक रूप से समृद्ध हो सके ।

ये रहे मौजूद

क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र में विवि के कुलपति के साथ
अनुसंधान निदेशक डा. एसके सहरावत, अतिरिक्त
अनुसंधान निदेशक डा. नीरज कुमार, प्रोजेक्ट डायरेक्टर
डा. सतीश खोखर, बावल के क्षेत्रीय अनुसंधान निदेशक
डा. विक्रम सिंह, कृषि महाविद्यालय के प्रिंसिपल डा. नरेश
कौशिक, वरिष्ठ संयोजक डा. जोगेंद्र सिंह आदि मौजूद रहे ।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समस्त दृष्टि

समाचार पत्र का नाम.....

दिनांक २०.१२.२०२० पृष्ठ संख्या..... कॉलम.....

समस्त हरियाणा

बुधवार, 2 दिसंबर, 2020

भौगोलिक स्थिति व अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा को ध्यान में रखकर करें रिसर्च : प्रो. समर

हकृवि कुलपति प्रो.
समर सिंह ने कहा,
समन्वित खेती को
बढ़ावा दें किसान

समस्त हरियाणा न्यूज
हिसार। वैज्ञानिक मौजूदा समय में
बदलते जलवायु परिवेश,
भौगोलिक परिस्थितियों व
अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा को ध्यान में
रखते हुए अपने अनुसंधान कार्य को
आगे बढ़ाएं।

इससे एक ओर जहां फसलों की
गुणवत्ता कामय रहेंगी वहीं दूसरी
ओर अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी
उनकी डिमांड बढ़ेंगी। उक्त विचार
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि
विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर
समर सिंह ने कहे। वे विश्वविद्यालय
के क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र बावल,
कृषि विज्ञान केंद्र व कृषि
महाविद्यालय बावल में चले रहे
अनुसंधान, शिक्षण, विस्तार व अन्य
कार्यों का जायजा लेने के उपरांत
वैज्ञानिकों से रूपरूप हो रहे थे।



इस दौरान उन्होंने जल संरक्षण कृषि प्रणाली अपनाकर अपनी
के लिए केंद्र में चल रहे टपका आमदनी में इजाफा कर सकते हैं।
सिंचाई व अन्य तकनीकों का विश्वविद्यालय के कुलपति ने
जायजा लिया। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिकों से बागवानी, मशरूम
वैज्ञानिकों को अपना काम पूरी निष्ठा
उत्पादन, मधुमक्खी पालन व
व कर्तव्य से करना चाहिए और जैविक खेती को बढ़ावा देने का
आहान किया।

ये रहे मौजूद

क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र में
विश्वविद्यालय के कुलपति के साथ
अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के.
सहरावत, अतिरिक्त अनुसंधान
निदेशक डॉ. नीरज कुमार, प्रोजेक्ट
डायरेक्टर डॉ. सतीश खोखर,
बावल के क्षेत्रीय अनुसंधान
केंद्र के वैज्ञानिक व अन्य स्टाफ
निदेशक डॉ. विक्रम सिंह, कृषि
सदस्य मौजूद थे।

गुणवत्ता पर हो अधिक

जोर : डॉ. बनवारी
कुलपति के साथ बावल के
क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र में अपने
भ्रमण के दौरान सहकारिता एवं
पिछड़ा वर्ग के राज्य मंत्री डॉ.
बनवारी लाल ने विश्वविद्यालय के
वैज्ञानिकों से कहा कि वे फसल
उत्पादों की गुणवत्ता पर अधिक
जोर दें ताकि इनकी अंतरराष्ट्रीय
बाजार में मांग बढ़े और किसान भी
आर्थिक रूप से समृद्ध हो सके।
उन्होंने कहा कि वे दक्षिण-पश्चिमी
हरियाणा में स्थित विश्वविद्यालय के
बावल अनुसंधान केंद्र के लिए
सरकार से अतिरिक्त बजट की मांग
करेंगे ताकि यहां और अधिक
सुविधाएं मुहैया करवाई जा सके।

महाविद्यालय के प्रिंसिपल डॉ. नरेश
कौशिक, वरिष्ठ संयोजक डॉ. जोगेन्द्र
सिंह सहित क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र,
कृषि महाविद्यालय, कृषि विज्ञान
केंद्र के वैज्ञानिक व अन्य स्टाफ
निदेशक डॉ. विक्रम सिंह, कृषि



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

जनभाइ

दिनांक .2.12.2020...पृष्ठ संख्या..... कॉलम.....

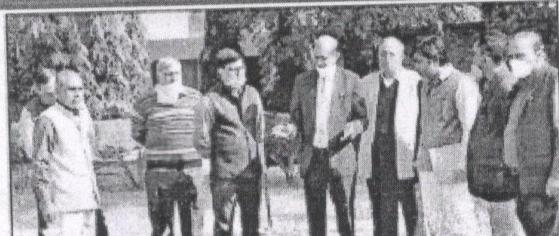
‘भौगोलिक स्थिति व प्रतिरक्षणीय को ध्यान में रखकर करें रिसर्च’

समन्वित खेती को बढ़ावा दें किसान, आर्थिक स्थिति होगी मजबूत

टाइटल फैनीपाता २३।११।१।

हिसार। वैज्ञानिक मौजूदा समय में बदलते जलवायु परिवेश, भौगोलिक परिस्थितियों व अंतर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा को ध्यान में रखते हुए अपने अनुसंधान कार्य को आगे बढ़ाएं। इससे एक ओर जहां फसलों की गुणवत्ता कायम रही वहाँ दूसरी ओर अंतर्राष्ट्रीय बाजार में भी उनकी हिस्तांड बढ़ेगी।

यह बात मिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर समर सिंह ने विश्वविद्यालय के सेवायी अनुसंधान केंद्र बाबल, कृषि विज्ञान केंद्र व कृषि महाविद्यालय बाबल में बात गहे अनुसंधान, शिक्षण, विस्तार व अन्य कार्यों का जयज्ञ लेते हुए, वैज्ञानिकों से रुबरु होते हुए कही। इस दौरान उन्होंने जल संरक्षण के लिए केंद्र में बहुत सहे टाका सिंचाई व अन्य तकनीकों का जायजा लिया। उन्होंने



लोकय के दैवत डॉ मिंह कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व अन्य उपरिलिखे।

जनभाइ

कहा कि वैज्ञानिकों को असान काम पूरी निष्ठा व कठिनी से करना चाहिए और उनके मुख्य लक्ष्य विश्वविद्यालय द्वारा विकसित नई-नई तकनीकों व विभिन्न फसलों की उत्तम किस्मों की जानकारी किसानों तक पहुंचाना होना चाहिए। उन्होंने किसानों से समन्वित खेती को अपनाने का आह्वान करने हुए कहा कि इससे किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। जिन शेषों में घूम कम ऊपजाऊ है, वहाँ किसान समन्वित कृषि प्रणाली अपनाकर

कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक फसलों, फलों व मध्यियों की नई किस्मों व तकनीकों को विकसित करते समय इस बात का भी खास ध्यान रखें कि उसका लाभ हर छोटी से छोटी जात वाले किसान तक पहुंचना चाहिए। इसके अलावा जैविक खेती को बढ़ावा दिया जाना चाहिए ताकि गलत खानपान व अधिक रसायनों के प्रयोग से बढ़ रही बीमारियों पर अंकुश लगाया जा सके।

कुलपति के साथ बाकि के खेतीव अनुसंधान केंद्र में अपने भ्रमण के दौरान सहकारित एवं गिरजा वर्ग के राज्य मंत्री डॉ अनंतराम लाल ने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों से कहा कि वे फसल उत्पादों की गुणवत्ता पर अधिक जोर दें ताकि इनकी अंतर्राष्ट्रीय बाजार में मांग वही और किसान भी आर्थिक रूप से समृद्ध हो सके।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

हकृति के रेडियो किसानों को देंगे संपूर्ण जानकारी

दिसंबर/201 दिसंबर/रिपोर्टर

मध्याधिकार रेडीने स्टेशनों के प्रसारणों का कृति विकास में महत्वपूर्ण योगदान होया। इन स्टेशनों को ज्यादा उत्तम में रखकर कार्यक्रम प्रसारित किया जाएगा। उन प्रसारित कार्यक्रमों के माध्यम से किसानों को विविध पर्याप्त संसाधनों जैसे जल आदि सहायता प्राप्त कर सकेंगे। ये बात ज़रूरी बाब्यु तिंग सिंह द्वारा हरियाणा कृषि के कुलपति प्रोफेसर समीर सिंह ने कही। विश्वविद्यालय के रोहतक व झज्जर में विद्युत कृषि विभाग के द्वारा प्राप्त सम्पुद्धिक रेडीने स्टेशन विविध उद्योगों के बाद लोग आए। इन रेडीने स्टेशनों को अब किसानों के लिए समर्पित कर गया है। इन सम्पुद्धिक रेडीने स्टेशनों को हरियाणा सरकार महोराम से संस्थापित आत्मा स्कॉल के तहत स्थापित करता रहा। उठानें कहा कि इनसे किसानों



उनको फसलों के उचित दाम,
मीमांस सम्बन्धी जावकारी,
विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों को
सलाह, पशुपालन एवं गृह विनाश से
मरणीय नियन्त्रण जावकारी प्रदान
की जाएगी। ये रेडियो स्टेशन
स्थानीय सरकारिएँ करता हैं ताकि जान
की भी बढ़ावा दी जाए। तथा किसी
की आय दोगुना करने में
प्रभान्मनी नन्द मोटी के उद्देश्य
को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका
निभाएंगे। उन्हें बताया कि इन
संस्थानों पर महिलाओं को स्वास्थ्यलब्धी
व स्वरोगानुमति देने संबंधी
कार्यक्रम भी सुनिश्चित तरीके से
अधिक सं अधिक प्रसारित किए
जाएंगे। विश्वविद्यालय के विद्यार्थी
संघ नियंत्रित शिक्षा डॉ. आरएस
हुड्डा ने बताया कि भारत सरकार व
हारियाणा सरकार की सहायता से इस

रह के छ: सामुदायिक रेडियो एंटेन्शन विभिन्न कृषि विज्ञान कक्षों और स्थानीय किए गए हैं। इनमें रोहतक, झज्जर, बलवाला आदि चार सामुदायिक रेडियो एंटेन्शन भी जल्द किसानों में सामाजिक कर जाएंगे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..... उत्तम दैनिक.....

विश्वविद्यालय व किसानों के बीच एक नई व मजबूत संचार की प्रक्रिया का शुभारंभ होगा : कुलपति

हिंसारप्रवीण कुमार
सामुदायिक रेडियो स्टेशनों के प्रसारणों का कृषि विकास में महत्वपूर्ण योगदान होता है। इन स्टेशनों पर किसानों को ध्यान में रखकर कार्यक्रम प्रसारित किए जाएं। इन पर प्रसारित कार्यक्रमों के माध्यम से किसान सम-सामयिक विषयों पर संपूर्ण जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। चौथरी चरण सिंह हरियाणा कृषि के कुलपति अंग्रेज़ सर स्मर सिंह आज विश्वविद्यालय के रोहतक व झज्जर में स्थित कृषि विज्ञान केन्द्रों पर सामुदायिक रेडियो स्टेशन के विधिवत उद्घाटन के बाद बोल रहे थे। इन रेडियो स्टेशनों को अब किसानों के लिए समर्पित कर दिया गया है। इन सामुदायिक रेडियो स्टेशनों को हरियाणा सरकार के सहयोग से स्थापित (आत्मा स्कीम के तहत) स्थापित किया गया है। कुलपति ने कहा कि इनसे किसानों को उनकी फसलों के उचित दाम, मौसम सम्बन्धी जानकारी, विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों की सलाह, पशुपालन एवं गृह विज्ञान से संबंधित नवीनतम जानकारी प्रदान की जाएगी। विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक शिक्षा डॉ. आर.एस. हुड्डा ने बताया कि भारत सरकार व हरियाणा सरकार की सहायता से इस तरह के छ: सामुदायिक रेडियो स्टेशन विभिन्न कृषि विज्ञान केन्द्रों पर स्थापित किए गए हैं। इनमें रोहतक, झज्जर के अलावा पानीपत, कुरुक्षेत्र, जीद व सिरसा में भी स्थापित किए गए हैं। रोहतक व झज्जर के अलावा बाकि चार सामुदायिक रेडियो स्टेशन भी जल्द ही किसानों को समर्पित कर दिए जाएंगे। व सिरसा में भी स्थापित किए गए हैं। रोहतक व झज्जर के अलावा बाकि चार सामुदायिक रेडियो स्टेशन भी जल्द ही किसानों को समर्पित कर दिए जाएंगे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....स्त्रीवर्ग उन्नयन

दिनांक ..1..12..2020. पृष्ठ संख्या.....— कॉलम.....—

SHARE

0



विश्वविद्यालय व किसानों के बीच एक नई व मजबूत संचार की प्रक्रिया का शुभारंभ होगा

एचएयू के कुलपति ने कृषि विज्ञान केंद्र रोहतक व झज्जर के सामुदायिक रेडियो स्टेशनों का
किंग रेडियो



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....मुख्यि कृषि.....दृष्टिगति.....

दिनांक ..2...।२..2०२० पृष्ठ संख्या.....कॉलम.....

सामुदायिक रेडियो स्टेशन के प्रसारणों का कृषि विकास में होगा महत्वपूर्ण योगदान : कुलपति प्रोफेसर समर सिंह

December 01, 2020 • Rakesh

विश्वविद्यालय व किसानों के बीच एक नई व मजबूत संचार की प्रक्रिया का शुभारंभ होगा : कुलपति

एचएयू के कुलपति ने कृषि विज्ञान केंद्र रोहतक व झज्जर के सामुदायिक रेडियो स्टेशनों का किया
उद्घाटन

हिसार : 1 दिसंबर 2020

सामुदायिक रेडियो स्टेशनों के प्रसारणों का कृषि विकास में महत्वपूर्ण योगदान होगा। इन स्टेशनों पर किसानों को ध्यान में रखकर कार्यक्रम प्रसारित किए जाएंगे। इन पर प्रसारित कार्यक्रमों के माध्यम से किसान सम-सामयिक विषयों पर संपूर्ण जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। ये चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहे। वे विश्वविद्यालय के रोहतक व झज्जर में स्थित कृषि विज्ञान केंद्रों पर सामुदायिक रेडियो स्टेशन के विधिवत उद्घाटन के बाद बोल रहे थे। इन रेडियो स्टेशनों को अब किसानों के लिए समर्पित कर दिया गया है। इन सामुदायिक रेडियो स्टेशनों को हरियाणा सरकार के सहयोग से स्थापित (आत्मा स्कीम के तहत) स्थापित किया गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति ने कहा कि इनसे किसानों को उनकी फसलों के उचित दाम, मौसम सम्बन्धी जानकारी, विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों की सलाह, पशुपालन एवं गृह विज्ञान से संबंधित नवीनतम जानकारी प्रदान की जाएगी। ये रेडियो स्टेशन स्थानीय संस्कृति, कला एवं जान को भी बढ़ावा देंगे तथा किसानों की आय दोगुना करने में माननीय प्रधानमन्त्री श्री नरेंद्र मोदी जी के उद्देश्य को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने बताया कि इन स्टेशनों पर महिलाओं को स्वावलंबी व स्वरोजगारोन्मुखी बनाने संबंधित कार्यक्रम भी सुव्यवस्थित तरीके से अधिक से अधिक प्रसारित किए जाएंगे।





चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..... श्रीवर्ष ३१९४

दिनांक 11.12.2023 पृष्ठ संख्या कॉलम.....

.कॉलम

विश्वविद्यालय व किसानों के बीच एक नई व मजबूत संचार की प्रक्रिया का शमारंभ होगा।

एचएयू के कुलपति ने कृषि विज्ञान केंद्र रोहतक व झज्जर के सामुदायिक रेडियो स्टेशनों का
किया उद्घाटन

हिंसार

सामूदायिक रेडियो स्टेशनों के प्रसारणों का कृति विज्ञान में महत्वपूर्ण योगदान होगा। इन स्टेशनों पर किसानों को ध्यान में रखकर कार्यक्रम प्रसारित किए जाएंगे। इन पर प्रसारित कार्यक्रमों के माध्यम से किसान सम्मानिक विषयों पर संपूर्ण जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। यह बात हरियाणा कृषि कुलपति थे। समर सिंह ने विश्वविद्यालय के रोहतक व झज्जर में स्थित कृषि विज्ञान केंद्रों पर सामूदायिक रेडियो स्टेशन का उद्घाटन करते हुए कहा। इन रेडियो स्टेशनों को अब किसानों के लिए समाचारित कर दिया गया है। इन सामूदायिक रेडियो स्टेशनों का हरियाणा सरकार के सहयोग से स्थापित (आत्मा स्कॉलम के तहत) स्थापित किया गया है। कुलपति ने कहा कि इनसे किसानों को उनकी कफलतों के उचित दाम, सौम सम्बन्धियों जानकारी, विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों की सलाह, प्रूफार्सन पर वृगु विज्ञान से संबंधित नवीनतम जानकारी प्राप्त की जाएगी। ये रेडियो स्टेशन स्थानीय संस्कृति, कला एवं जानकारी की भी बढ़ावा देंगे तथा किसानों की आय दोगुना करने में प्रधानमन्त्री नरेंद्र मोदी के उद्देश्य को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने बताया कि इन स्टेशनों पर महिलाओं को स्वावलंबी व स्वरोजगारोन्मुखी बनाने संबंधित कार्यक्रम भी सुव्यवस्थित तरीके से अधिक से अधिक प्रसारित किए जाएंगे।

विश्वविद्यालय के टिस्टरार निर्माण की समुदायिक रक्षण स्टेशन १० अप्रैल २०१० रात्रि १० बजे निर्माण निदेशक शिंका डॉ. आर. एस. हुड़ा ने बताया कि भारत सरकार व हरियाणा सरकार की सहायता से इस तरह के छह समुदायिक रेडियो स्टेशन तिब्बत कृषि विज्ञान केन्द्रों पर स्थापित किए गए हैं। इनमें रोहतक, झज्जर के अलावा पानीपत, कुशक्षेत्र, जौद व मिरसा में स्थापित किए गए हैं। उन्होंने बताया कि रोहतक व झज्जर के अलावा वार्क घार समुदायिक रेडियो स्टेशन भी जल्द ही किसानों को समर्पित कर दिए जाएंगे। कृषि विज्ञान केन्द्र झज्जर के संयोजक डॉ. दुर्के. शर्मा व रोहतक के संयोजक डॉ. मीना सिंचां ने बताया कि ये रेडियो स्टेशन प्रतिदिन २ घंटे सुख (9.30-11.30 बजे) व २ घंटे सायंकाल (2.30-04.30 बजे) किसानों के लिए कार्यक्रम प्रसारित किए जाएंगे। इन समुदायिक रेडियो स्टेशनों की रेज १५-२० किलोमीटर तक होगी। इन अवधि विश्वविद्यालय के प्रबन्धक मंडल के सदस्य आनंद सागर व कृषि विज्ञान केन्द्र के अधिकारियों के अलावा किसान भी मिलेंगे।

विश्वविद्यालय का सामुदायिक रेडियो स्टेशन 2009 से किसानों की सेवा में

किसानों को विश्वविद्यालय द्वारा सीमने पर कृषि संबंधी अधिक संग्रहीत जानकारी तथा भूमध्याने के उद्देश्य से विश्वविद्यालय में 29 नवंबर 2009 को सामुदायिक रेडियो स्टेशन की स्थापना की गई और एफ.एम. 91.2 मैग्नाहर्टज रेडियो कार्यक्रम प्रस्तुत करने शुरू कर दिए। तब से लेकर लगातार किसानों को समय-समय पर मीसांग, कृषि, विस्तार एवं शिक्षा सहित विभिन्न जानकारियों प्रसारित की जा रही है। समय-समय पर कृषि वैज्ञानिकों के पैनल द्वारा किसानों को कृषि संबंधी जानकारी प्रदान करने के लिए रेडियो स्टेशन पर बुलाया जाता है और साथ ही किसानों के सवार्कों के जीवाल टेकर उनकी समस्याओं के समाधान भी किए जाते हैं। सामुदायिक रेडियो स्टेशन द्वारा प्रसारित कार्यक्रमों व जानकारियों को पापत कर किसान कृषि के क्षेत्र में वेहतर कार्य कर रहे हैं।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....खबरों का मालिक

दिनांक १२.१२.२०२० पृष्ठ संख्या २ कॉलम ३-६

एचएयू में ऑनलाइन सिखाया सोयाबीन और मूँगफली के उत्पाद बनाना

भारतीय न्यूज | हिसार

एचएयू के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान में तीन दिवसीय 'सोयाबीन व मूँगफली के मूल्य संवर्धन उत्पाद' विषय पर ऑनलाइन प्रशिक्षण शिविर संपन्न हुआ। प्रशिक्षण का आयोजन विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा के मार्गदर्शन व देखरेख में किया गया। समापन अवसर पर सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान के सह-निदेशक(प्रशिक्षण) डॉ. अशोक गोदारा ने कहा कि अधिकतर आबादी शाकाहारी होने के कारण उनके भोजन में प्रोटीन का स्रोत अनाज व दलहन ही है। ऐसे में प्रोटीन व वसा

का स्रोत सोयाबीन का उपयोग कम मूल्य में संतुलित आहार प्रदान करने की क्षमता रखता है। लघु उद्योग चलाने वाले रवि जांगड़ा ने प्रशिक्षणार्थियों को ऑनलाइन माध्यम से अपने उद्योग का भ्रमण करवाया और उद्योग के विभिन्न आयामों से अवगत कराया। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को सोयाबीन से दूध व पनीर को मशीनों द्वारा तैयार करना सिखाया। इसके अलावा सोया आटा, सोया चाप, सोया कटलट व कवाब, सेव व स्टीक्स, सब्जी व पुलाव, सोया सत्तू व सोयानट्स बनाने की सरल विधियों से अवगत कराया। डॉ. वर्षा ने प्रतिभागियों को मूँगफली की चटनी, मूँगफली गुड़ की पट्टी, मूँगफली चाट, इसके चावल व पुलाव और मंगफली के लड्डू बनाने सिखाए।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

~~मेरी जाति~~

समाचार पत्र का नाम.....

दिनांक २.१२.२०२० पृष्ठ संख्या..... २ कॉलम..... ५-६

महिलाओं और बच्चों में कुपोषण दूर कर सकता है सोयाबीन व मूंगफली

जागरण संवाददाता, हिसार: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान में तीन दिवसीय सोयाबीन व मूंगफली के मूल्य संवर्धन उत्पाद विषय पर ऑनलाइन प्रशिक्षण शिविर संपन्न हुआ। प्रशिक्षण विस्तार शिक्षा निदेशक डा. आरएस हुड्डा के देखरेख में किया गया। समापन पर सह-निदेशक(प्रशिक्षण)डा. अशोक गोदारा ने कहा कि भारत में महिलाओं व बच्चों में कुपोषण की समस्या ज्यादा है। अधिकतर आबादी शाकाहारी होने के कारण उनके भोजन में प्रोटीन का स्रोत अनाज व दलहन ही है। ऐसे में प्रोटीन व वसा का स्रोत सोयाबीन का उपयोग कम मूल्य में संतुलित आहार प्रदान करने की क्षमता रखता है।

मूंगफली से बनने वाले उत्पादों की दी जानकारी



ऑनलाइन प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों द्वारा बनाए गए उत्पाद। ● पीआरओ

उत्पादों की मार्केटिंग का बताया तरीका

प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को ऑनलाइन माध्यम से सिखाई गई विधियों से घर पर ही सोया दूध व पनीर तैयार करने का असाइनमेंट दिया गया। प्रतिभागियों ने इस ऑनलाइन असाइनमेंट के लिए घर पर ही उत्पाद तैयार किए और इन उत्पादों की वीडियो व फोटो को शेयर किया।

व सोयानट्स बनाने की सरल विधियों से अवगत कराया। डा. वर्षा ने प्रतिभागियों को मूंगफली की चटनी, मूंगफली गुड़ की पट्टी, मूंगफली चाट, इसके चावल व पुलाव और मूंगफली के लड्डू बनाने सिखाए। प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षणार्थियों को सोयाबीन व मूंगफली से विभिन्न उत्पादन बनाने के बारे में ऑनलाइन माध्यम से विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

पंजाब के सारी

दिनांक २०.१२.२०२० पृष्ठ संख्या ३ कॉलम ७-८



ऑनलाइन प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों द्वारा बनाए गए उत्पाद।

'सोयाबीन व मूँगफली के मूल्य संवर्धन उत्पाद' विषय पर 3 दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण संपन्न'

हिसार, 1 दिसम्बर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान में 3 दिवसीय 'सोयाबीन व मूँगफली के मूल्य संवर्धन उत्पाद' विषय पर ऑनलाइन प्रशिक्षण शिविर संपन्न हुआ। प्रशिक्षण का आयोजन विस्तार शिक्षा निदेशक डा. आर.एस. हुड्डा के मार्गदर्शन व देखरेख में किया गया।

महिलाओं व बच्चों में कुपोषण की समस्या ज्यादा

समापन अवसर पर सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान के सह-निदेशक (प्रशिक्षण) डा. अशोक गोदारा ने कहा कि भारत में महिलाओं व बच्चों में कुपोषण की समस्या ज्यादा है। अधिकतर आबादी शाकाहारी होने के

कारण उनके भोजन में प्रोटीन का स्त्रोत अनाज व दलहन ही है। ऐसे में प्रोटीन व वसा का स्त्रोत सोयाबीन का उपयोग कम मूल्य में संतुलित आहार प्रदान करने की क्षमता रखता है। लघु उद्योग चलाने वाले रवि जांगड़ा ने प्रशिक्षणार्थियों को ऑनलाइन माध्यम से अपने उद्योग का भ्रमण करवाया और इसके विभिन्न आयामों से अवगत कराया। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को सोयाबीन से दूध व पनीर को मशीनों द्वारा तैयार करना सिखाया। इसके अलावा सोया आटा, सोया चाप, सोया कटलेट व कबाब, सेव व स्टिक्स, सब्जी व पुलाव, सोया सत्तू व सोयानट्स बनाने की सरल विधियों से अवगत कराया। इस प्रशिक्षण के दौरान डा. पवित्रा कुमारी, डा. देवेंद्र सिंह, डा. भूपेंद्र सिंह आदि ने ऑनलाइन माध्यम से प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....प्र० कृ० ब०

दिनांक ..12.12.2020.. पृष्ठ संख्या.....— कॉलम.....—

सार समाचार

लघु उद्योग का वर्चुअल भ्रमण करवा सिखाया सोयाबीन व मुंगफली के उत्पाद बनाना

'सोयाबीन व मुंगफली के मूल्य संवर्धन उत्पाद' विषय पर तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण संपन्न



हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के साथ्या नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान में तीन दिवसीय 'सोयाबीन व मुंगफली के मूल्य संवर्धन उत्पाद' विषय पर ऑनलाइन प्रशिक्षण शिविर संपन्न हुआ। प्रशिक्षण का आयोजन विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड़ा के मानवशंस के देखरेख में किया गया। समापन अवसर पर साथ्या नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान के सह-निदेशक(प्रशिक्षण)डॉ. अशोक गोदारा ने कहा कि भारत में महिलाओं व बच्चों में कुपोषण की समस्या ज्यादा है। अधिकतर आबादी शाकाहारी होने के कारण उनके भोजन में प्रोटीन का स्रोत अनाज व दलहन ही है। ऐसे में प्रोटीन व वसा का स्रोत सोयाबीन का उपयोग कम मूल्य में संतुलित आहार प्रदान करने की क्षमता रखता है। लघु उद्योग चलाने वाले रवि जांगड़ा ने प्रशिक्षणार्थियों को ऑनलाइन माध्यम से अपने उद्योग का भ्रमण करवाया और उद्योग के विभिन्न आयामों से अवगत कराया। उक्तोंने प्रशिक्षणार्थियों को सोयाबीन से दूध व पनीर की मरीनों द्वारा तैयार करना सिखाया। इसके अलावा सोया आटा, सोया चाप, सोया कटलट व कचाब, सेव व स्टीक्स, सब्जी व पुलाव, सोया सत्त व सोयानदस बनाने की सरल विधियों से अवगत कराया। डॉ. वर्षी ने प्रतिभागियों को मुंगफली की चटनी, मुंगफली गुड़ की पटटी, मुंगफली चाट, इसके चावल व पुलाव और मुंगफली के लड्डू बनाने सिखाए। प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षणार्थियों को सोयाबीन व मुंगफली से विभिन्न उत्पादन बनाने के बारे में ऑनलाइन माध्यम से विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई।

उत्पादों की मार्केटिंग का बताया तरीका

प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को ऑनलाइन माध्यम से सिखाई गई विधियों से घर पर ही सोया दूध व पनीर तैयार करने का असाइनमेंट दिया गया। प्रतिभागियों ने इस ऑनलाइन असाइनमेंट के लिए घर पर ही उत्पाद तैयार किए और इन उत्पादों की वीडियो व फोटो को शेयर किया। डॉ. डी.के. शर्मा व डॉ. सुरेन्द्र कुमार ने इन असाइनमेंट का आंकलन किया और इसके लिए प्रतिभागी महेंद्र सिंह, नीरज यादव, रेणु चौधरी, लक्ष्मी, आशा, दलचीर सिंह, संजय कुमार, मोहन गांव, कांता शर्मा व अनिल यादव द्वारा तैयार किए गए सोया दूध व पनीर को सर्वोत्तम पाया गया। डॉ. निर्मल कुमार ने सोयाबीन व मुंगफली के उत्पादों की मार्केटिंग के बारे में समझाया जबकि डॉ. संदीप भाकर ने सरकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान की। इस प्रशिक्षण के दौरान डॉ. पवित्रा कुमारी, डॉ. देवेंद्र सिंह, डॉ. भूरेंद्र सिंह आदि ने ऑनलाइन माध्यम से प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

पाठ्य बोर्ड के सदस्यीय

समाचार पत्र का नाम.....

दिनांक 2.12.2020 पृष्ठ संख्या..... कॉलम.....

लघु उद्योग का वर्तुअल भ्रमण करवा सिखाया। सोयाबीन व मुँगफली के उत्पाद बनाना।

हिसार, 1 दिसम्बर (राज पराशर) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के साथना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान में तीन दिवसीय 'सोयाबीन व मुँगफली के मूल्य संवर्धन उत्पाद' विषय पर ऑनलाइन प्रशिक्षण शिक्षिक संपन्न हुआ। प्रशिक्षण का आयोजन विस्तार शिक्षा निदेशक डा. आरएस हुड्डा के मार्गदर्शन व देखभेख में किया गया। समाप्ति अवसर पर साथना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान के सह-निदेशक (प्रशिक्षण) डा. अशोक गोदारा ने कहा कि भारत में महिलाओं व बच्चों में कुपोषण की समस्या ज्यादा है। अधिकतर अब्बादी शाकाहारी होने के कारण उनके भोजन में प्रोटीन का स्त्रोत अनाज व दलहन ही है। ऐसे में प्रोटीन व वसा का स्त्रोत सोयाबीन का उपयोग कम मूल्य में संतुलित आहार प्रदान करने की क्षमता रखता है। लघु उद्योग चलाने वाले रवि जांगड़ा ने प्रशिक्षणार्थियों को ऑनलाइन माध्यम से अपने उद्योग का भ्रमण करवाया और उद्योग के विभिन्न आयामों से अवगत कराया। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को सोयाबीन से दूध व पनीर को मशीनें द्वारा तैयार करना सिखाया। इसके अलावा सोया आटा, सोया चाप, सोया कटलट व कवाब, सेव व स्टीक्स, सब्जी व पुलाव, सोया सत्रू व सोयानट्स बनाने की सरल विधियों से अवगत कराया। डॉ. नर्थ ने प्रतिभागियों को मुँगफली की चटनी, मुँगफली गुड़ की पट्टी, मुँगफली चाट, इसके चावल व पुलाव और मुँगफली के लड्डू बनाने सिखाए। मुँगफली के दौरान प्रशिक्षणार्थियों को सोयाबीन व मुँगफली से विभिन्न उत्पादन बनाने के बारे में ऑनलाइन माध्यम से विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

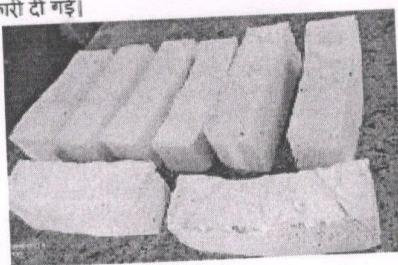
द्वितीय ४५/१०/१

दिनांक ..21.12.2020.पृष्ठ संख्या..... कॉलम.....

'सोयाबीन व मुँगफली के मूल्य संवर्धन उत्पाद' विषय पर H.A.U में तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण संपन्न

December 01, 2020 · Rakesh

हिसार : 1 दिसंबर
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के साथना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं
शिक्षण संस्थान में तीन दिवसीय 'सोयाबीन व मुँगफली के मूल्य संवर्धन उत्पाद' विषय पर
ऑनलाइन प्रशिक्षण आयोजन विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ.
आर.एस. हड्डा के मार्गदर्शन व देखरेख में किया गया। समापन अवसर पर साथना नेहवाल कृषि
प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान के सह-निदेशक प्रशिक्षण डॉ. अशोक गोदारा ने कहा कि
भारत में महिलाओं व बच्चों में कृषिक्षण की समस्या ज्यादा है। अधिकतर आबादी शकाहारी होने के
कारण उनके भौजन में प्रोटीन का स्रोत अनाज व दलहन ही है। ऐसे में प्रोटीन व वसा का स्रोत
सोयाबीन का उपयोग कम सम्भव में संतुलित आहार प्रदान करने की क्षमता रखता है। लघु उद्योग
चलाने वाले रवि जांगड़ा ने प्रशिक्षणार्थियों को ऑनलाइन माईयम से अपने उद्योग का अनुग्रह
करवाया और उद्योग के विभिन्न आयामों से अवगत कराया। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को सोयाबीन
से दूध व पनीर की भविनों द्वारा तैयार करना सिखाया। इसके अलावा सोया आटा, सोया चाप,
सोया कटलट व कवाल, सेव व स्टीक्स, सब्जी व पुलाव, सोया सलू व सोयान्टस बनाने की सरल
विधियों से अवगत कराया। डॉ. वर्षा ने प्रतिभागियों को मुँगफली की घटनी, मुँगफली गुड़ की पट्टी,
मुँगफली चाट, इसके चावल व पुलाव और मुँगफली के लड्डू बनाने सिखाय। प्रशिक्षण के दौरान
मुँगफली आयामों को सोयाबीन व मुँगफली से विभिन्न उत्पादन बनाने के बारे में ऑनलाइन माईयम
से विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई।



उत्पादों की मार्केटिंग का बताया तरीका

प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को ऑनलाइन माईयम से सिखाई गई विधियों से घर पर ही सोया
टूथ व पनीर तैयार करने का असाइनमेंट दिया गया। प्रतिभागियों ने इस ऑनलाइन असाइनमेंट के
लिए घर पर ही उत्पाद तैयार किए और इन उत्पादों की वीडियो व फोटो को शेयर किया। डॉ. डी.के.
शर्मा व डॉ. सुरेन्द्र कुमार ने इन असाइनमेंट का अंकलन किया और इसके लिए प्रतिभागी महेंद्र
सिंह, नीरज यादव, रेणू चौधरी, लक्ष्मी, आशा, टलबीर सिंह, संजय कुमार, मोहन गर्ग, कांता शर्मा व
अनिल यादव द्वारा तैयार किए गए सोया टूथ व पनीर को सर्वोत्तम पाया गया। डॉ. निर्मल कुमार
ने सोयाबीन व मुँगफली के उत्पादों की मार्केटिंग के बारे में समझाया जबकि डॉ. संदीप भाकर ने
सरकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान की। इस प्रशिक्षण के दौरान डॉ. पवित्रा कुमारी, डॉ. देवेंद्र
सिंह, डॉ. अर्पेंद्र सिंह आदि ने ऑनलाइन माईयम से प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..... वार्षिकी १६५१२

दिनांक १. १२. २०२० पृष्ठ संख्या कॉलम

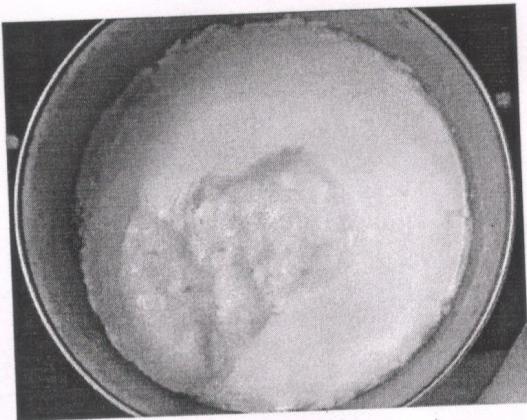
लघु उद्योग का वर्चुअल भ्रमण करवा सिखाया सोयाबीन व मुंगफली के उत्पाद बनाना

ह्यासोयादीन व मुंगफली के मूल्य संवर्धन उत्पादक विषय पर तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रार्थक्षण संपन्न

वाटिका@हिसार। चौथीरी चरण सिंह हरियाणा कृपि विश्वविद्यालय के साथना नेहवाल कृपि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान में तीन दिवसीय हुस्तेयाबीन व मुंगफली के मूल्य संवर्धन उत्पादक विषय पर आनंदाइन प्रशिक्षण शिविर संपन्न हुआ। प्रशिक्षण का आयोजन विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा के मार्गदर्शन व देखोखेम में किया गया। समापन अवसर पर साथना नेहवाल कृपि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान के सह-निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक गोदारा ने कहा कि भारत में महिलाओं व बच्चों में कुपोषण की समस्या ज्यादा है। अधिकतर आबादी शाकाहारी होने के कारण

उनके भोजन में प्रोटीन का स्त्रोत अनाज व दलहन ही है। ऐसे में प्रोटीन व वसा का स्त्रोत सोयाबीन का उपयोग कम मूल्य में संतुलित आहार प्रदान करने की क्षमता रखता है।

लघु उद्योग चलाने वाले रवि जांगड़ा ने प्रशिक्षणार्थियों को ऑनलाइन माध्यम से अपने उद्योग का भ्रमण करवाया और उद्योग के विभिन्न आयामों से अवगत कराया। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को सोचावीन से दृढ़ व पनीर को मरीजों द्वारा तैयार करना सिखाया। इसके अलावा सोचा आटा, सोचा चाप, सोचा कट्टलट व कवाब, सेव व स्टीकस, सब्जी व पुलाव, सोचा सतू व सोचानदस बनाने की सरल विधियों से अवगत



कराया।

डॉ. वर्षा ने प्रतिभागियों को मुंगफली की चटनी, मुंगफली गुड़ की पट्टी, मुंगफली चाट, इसके चावल व पुलाव और मुंगफली के

लड़ू बनाने सिखाए। प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षणार्थियों को सोयाबीन व मुंगफली से विभिन्न उत्पादन बनाने के बारे में और अनलाइन माध्यम से विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

STATE

**DEC
01**

एचएयू में ऑनलाइन माध्यम से सोयाबीन व मुंगफली के उत्पाद बनाने सिखाए

हितारा (मुमत सेनी) और राधरण तीन हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के समाज नेहराल कृषि प्रोटो-योगीकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान में तीन दिवसीय समाजन व मुँगकली के मूल संवर्धन उत्पाद विषय पर और अलाइन प्रशिक्षण ट्रिंकियर में प्रबन्ध हुआ। प्रशिक्षण का आयोजन विस्तार सिलो निटेक डॉ. अमर एस. हुड्का के मानदण्डन के द्वारे रखा गया। समाजन अवधार पर समाज नेहराल कृषि प्रोटो-योगीकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान के सह-नियंत्रक (प्रशिक्षण) डॉ. अंशुका गोदारा के हाथों भारत में महिलाओं व बढ़ती में कुपोषण की समस्या जयादा है।

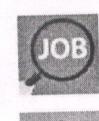
अधिकार ताआबादी शकाहारी होने के कारण उनके भ्रजन में पौत्रान का स्वोत भवाज व दलहन ही है। ऐसे में पौत्रान व वसा का स्वोत जो यायीन का उपयोग कर मूल्यमें संतुलित आहर पदान करने की शक्ति रखता है। लुट उद्धोग बासाने वाले रवि जगन्नाथ ने प्रशिक्षणार्थीयों को अंतिलाइन माध्यम से अपने उद्धोग का भव्यान करवाया और दूर्योग के विभिन्न आयामों से अवगत कराया। उन्होंने प्रशिक्षणार्थीयों को सोया द्वारा दूरावान रहने करता हिंदूया। इक भलागा नोया आरा, सोया धार, सोया करत व करवा, सेव व स्टीकर, सेव व पुलाव, सोया रस व सोयारस बनाने की सरल विधियों से अवगत कराया। तो, वृषभ ने पतिभावार्थीयों को मुंगफले के घराने, मुंगफली गुड़ की पहुँच, मुंगफले धाट, इसके चापां व पुलाव और मुंगफली के लड्डू बनाने सिखाया। प्रशिक्षण के द्वारा प्रशिक्षणार्थीयों को सोयाबीन व मुंगफली से विभिन्न तापादान बनाने के बारे में अंतिलाइन माध्यम से विस्तरावृद्धि का जानकारी दी गई।

प्रशिक्षण के द्वारा पति-भागियों को औंसलाइन मार्टेंटम से स्लिसाई गई विधियों से घर पर ही सोया दूध व पनीर तेहार करने का असाइनमेंट दिया गया। पति-भागियों ने इस औंसलाइन असाइनमेंट के लिए घर पर ही उत्पाद तेहार किए और इन उत्पादों की बीड़ियों व कफोटों का शोर विद्या। जै. डी. के. शर्मा व वै. सुरेश कुमार ने इन असाइनमेंटों का ऑफलाइन किया और इसके लिए प्राप्त भागी महंगी सिंह, नौरजाय यादव, एम. पौधरी, आशा, दल्खर सिंह, संजय कुमार, महोन गर्ग, काता शर्मा व अनिल यादव द्वारा तेहार किए गए सोया दूध व पनीर के मर्मटीवाले पाया गया। जै. निलम कुमार ने सोयाकान व मुँगाली के उत्पादों को मार्केटिंग के बारे में समझाया जबकि डॉ. संदीप भाकर ने सरकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान की।

Categories



Latest Post



EMPLOYMENT



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

नंम: ८२

समाचार पत्र का नाम.....

दिनांक ... 12.12.2020 पृष्ठ संख्या कॉलम

सोयाबीन से विभिन्न उत्पाद बनाने का दिया प्रशिक्षण

हिसार/01 दिसंबर/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान में तीन दिवसीय सोयाबीन व मुंगफली के मूल्य संवर्धन उत्पाद विषय पर ऑनलाइन प्रशिक्षण शिविर के समापन पर संस्थान के सह.निदेशक प्रशिक्षण डॉ. अशोक गोदारा ने कहा कि भारत में महिलाओं व बच्चों में कुपोषण की समस्या ज्यादा है। अधिकतर आबादी शाकाहारी होने के कारण उनके भोजन में प्रोटीन का स्रोत अनाज व दलहन ही है। ऐसे में प्रोटीन व वसा का स्रोत सोयाबीन का उपयोग कम मूल्य में संतुलित आहार प्रदान करने की क्षमता रखता है। लघु उद्योग चलाने वाले रवि जांगड़ा ने प्रशिक्षणार्थियों को ऑनलाइन माध्यम से अपने उद्योग का भ्रमण करवाया और उद्योग के विभिन्न आयामों से अवगत कराया। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को सोयाबीन से दूध व पनीर को मशीनों द्वारा तैयार करना सिखाया। इसके अलावा सोया आटा, सोया चाप, सोया कटलेट व कबाब, सेव व स्टीक्स, सब्जी व पुलाव, सोया सत्रू व सोयानट्स बनाने की सरल विधियों से अवगत कराया। डॉ. वर्षा ने प्रतिभागियों को मुंगफली की चटनी, मुंगफली गुड़ की पट्टी, मुंगफली चाट, इसके चावल व पुलाव और मुंगफली के लड्डू बनाने सिखाए। प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षणार्थियों को सोयाबीन व मुंगफली से विभिन्न उत्पादन बनाने के बारे में ऑनलाइन माध्यम से जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को ऑनलाइन माध्यम से सिखाई गई विधियों से घर पर ही सोया दूध व पनीर तैयार करने का असाइनमेंट दिया गया। प्रतिभागियों ने इस ऑनलाइन असाइनमेंट के लिए घर पर ही उत्पाद तैयार किए और इन उत्पादों की वीडियो व फोटो को शेयर किया। डॉ. डीके शर्मा व डॉ. सुरेंद्र कुमार ने इन असाइनमेंट का आंकलन किया और इसके लिए प्रतिभागी महेंद्र सिंह, नीरज यादव, रेणू चौधरी, लक्ष्मी, आशा, दलबीर सिंह, संजय कुमार, मोहन गर्ग, कांता शर्मा व अनिल यादव द्वारा तैयार किए गए सोया दूध व पनीर को सर्वोत्तम पाया गया। डॉ. निर्मल कुमार ने सोयाबीन व मुंगफली के उत्पादों की मार्केटिंग के बारे में समझाया जबकि डॉ. संदीप भाकर ने सरकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान की। इस प्रशिक्षण के दौरान डॉ. पवित्रा कुमारी, डॉ. देवेंद्र सिंह, डॉ. भूपेंद्र सिंह आदि ने ऑनलाइन माध्यम से प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....सिटी परस्त

दिनांक ।....12.2.2022....पृष्ठ संख्या.....कॉलम.....

‘सोयाबीन व मुँगफली के मूल्य संवर्धन उत्पाद’ विषय पर ऑनलाइन प्रशिक्षण संपन्न

सिटी पल्स न्यूज़, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिथण संस्थान में तीन दिवसीय ‘सोयाबीन व मुँगफली के मूल्य संवर्धन उत्पाद’ विषय पर ऑनलाइन प्रशिक्षण शिविर संपन्न हुआ। समाप्ति अवसर पर सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिथण संस्थान के सह निटेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक गोटारा ने कहा कि भारत में महिलाओं व बच्चों में कृषिक्षण की समस्या ज्यादा है। अधिकतर आबादी शाकाहारी होने के कारण उनके नोजन में प्रोटीन का खोत अनाज व दलहन ही है। ऐसे में प्रोटीन व वसा का खोत सोयाबीन का उपयोग कर्ण मूल्य ने सतुरित आहर प्रदान करने की थमता रखता है। लघु उद्योग

चलाने वाले देवि जागड़ा ने प्रशिक्षणार्थियों को ऑनलाइन माध्यम से अपने उद्योग का भ्रमण करवाया और उद्योग के विभिन्न आयामों से अवगत कराया। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को सोयाबीन से दूध व पनीर को मरीनों द्वारा तैयार करना सिखाया। इसके अलावा सोया आटा, सोया चाप, सोया कटलट व कवाब, सेव व स्टीवस, सब्जी व पुलाव, सोया सतू व सोयानट्स बनाने की सरल विधियों से अवगत कराया। डॉ. वर्षा ने प्रतिभागियों को मुँगफली की घटनी, मुँगफली गुड की पट्टी, मुँगफली चाट, इसके घावल व पुलाव और मुँगफली के लड्डू बनाने सिखाए। प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षणार्थियों को सोयाबीन व मुँगफली से विभिन्न उत्पादन बनाने के बारे में जानकारी दी गई।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

जनभागी कृषि

दिनांक 12-12-2020 पृष्ठ संख्या..... कॉलम.....

गुरुग्राम में 'इस्टीट्यूट ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट एंड एग्रीप्रीन्योरशिप' खुलेगा

अग्रमार्ग न्यूज़

गुरुग्राम। हरियाणा के युवाओं को कृषि शेत्र में ज्ञानार और प्रबंधन में प्रशिक्षण देने के लिए गुरुग्राम में 'इस्टीट्यूट ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट एंड एग्रीप्रीन्योरशिप' खोला जाएगा।

इस संस्थान के लिए गुरुग्राम जिला के गांव दीनतालाबाद में जगह चिन्हित की गई है।

जानकारी देते हुए बादशाहपुर के विद्यार्थी एवं हरियाणा एवं इस्टीट्यूज कॉर्पोरेशन के चेयरमैन राकेश दीनतालाबाद ने बताया कि कृषि में जुड़े उद्योगों और ज्ञानार के प्रबंधन में युवाओं को प्रशिक्षित करने और उन्हें कृषिल बनाने के लिए यह संस्थान खोला जा रहा है जो गांव दीनतालाबाद के निकट 6 एकड़ भूमि पर विकासित होगा। यह भूमि चौधरी

○ युवाओं को कृषि क्षेत्र में त्यापार और प्रबंधन में दिया जाएगा प्रशिक्षण

चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार ने लोज पर स्तो है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के किसानों की आय 2022 तक दोगुनी करने के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए युवाओं को कृषि में जुड़े उद्योग धर्थों के साथ जोड़ा और उन्हें प्रशिक्षित करना जरूरी है। इसी लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए यह संस्थान गुरुग्राम में खोला जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस संस्थान की अध्यारशिला हरियाणा के मुख्यमंत्री में रखायी जाएगी।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....21 नवंबर 2020

दिनांक 2-12-2020 पृष्ठ संख्या ५ कॉलम ३-४

एबिक में स्टार्टअप्स के लिए, आइडिया इन्वेस्टर मीट 4 को

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में नाबाई के तहत स्थापित एबिक केंद्र में ऑनलाइन माध्यम से 4 दिसंबर को आइडिया इन्वेस्टर मीट का आयोजन किया जाएगा। एबिक सेंटर की नोडल अधिकारी डा. सीमा रानी ने बताया कि इस मीट में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह मुख्यातिथि होंगे। जबकि अध्यक्षता नाबाई के मुख्य महाप्रबंधक राजीव महाजन अध्यक्षता करेंगे। उन्होंने बताया कि आइडिया डेवलपमेंट इंकम्पासिंग एंट्रीबिजेस मीट एबिक द्वारा आयोजित की जाने वाली पहली एवर इन्वेस्टर्स मीट है, जो इनक्युबिटीज व स्टार्टअप्स के लिए एक मंच के रूप में काम करेगी। इस मीट का मुख्य उद्देश्य एग्री इन्वेस्टमेंट में निवेश करना, उद्यमशील परिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देना, एग्री आधारित इनोवेशन और एबीआइसी इन्क्यूबेट्स की सफलता में नए आयोग स्थापित करना है। उन्होंने बताया कि इस मीट में भाग लेने के लिए स्टार्टअप्स एबिक सेंटर की ई-मेल एबिकसीसीएसएचएयू एट जीमेल डॉट कॉम पर अपना पंजीकरण करवा सकते हैं। इसके लिए प्रतिभागी को अपना नाम, फोन नंबर व ई-मेल की जानकारी देना अनिवार्य है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

पत्रों के संग्रहीत

समाचार पत्र का नाम.....

दिनांक २ : १२ : २०२० पृष्ठ संख्या २ कॉलम ५

'एच.ए.यू.एबिक में स्टार्टअप्स के लिए प्रथम आइडिया इन्वैस्टर मीट 4 को'

देश के जाने-माने इन्वैस्टर्स व
नाबार्ड अधिकारी होंगे रूबरू

हिसार, १ दिसम्बर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में नाबार्ड के तहत स्थापित एबिक केंद्र में ऑनलाइन माध्यम से ४ दिसम्बर को आइडिया इन्वैस्टर मीट का आयोजन किया जाएगा। सेंटर की नोडल अधिकारी डा. सीमा रानी ने बताया कि इस मीट में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह मुख्यातिथि होंगे, जबकि अध्यक्षता नाबार्ड के मुख्य महाप्रबंधक राजीव महाजन करेंगे। उन्होंने बताया कि आइडिया डिवैल्पमेंट इंकम्पासिंग एंग्रीबिजनेस मीट एबिक द्वारा आयोजित की जाने वाले पहली एवर इन्वैस्टर्स मीट है, जो इनक्युबिटीज व स्टार्टअप्स के लिए एक मंच के रूप में काम करेगी। इसका मुख्य उद्देश्य कृषि में निवेश करना, उद्यमशील परिस्थिति तंत्र को बढ़ावा देना, एंग्री आधारित इनोवेशन और ए.बी.आई.सी. इन्क्यूबैटस की सफलता में नए आयाम स्थापित करना है। इस मीट में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र से सम्मानित किया जाएगा।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....
दिनांक २.१२.२०२० पृष्ठ संख्या..... २ कॉलम..... ३

एबिक में स्टार्टअप्स को प्रथम आइडिया इन्वेस्टर मीट ४ दिसंबर को

हिसार | चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में नाबार्ड के तहत स्थापित एबिक केंद्र में ऑनलाइन ४ दिसंबर को आइडिया इन्वेस्टर मीट का आयोजन किया जाएगा। एबिक सेंटर की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने बताया कि इस मीट में एचएयू के कुलपति प्रो. समर सिंह मुख्यातिथि होंगे और अध्यक्षता नाबार्ड के मुख्य महाप्रबंधक राजीव महाजन अध्यक्षता करेंगे। उन्होंने बताया कि आइडिया डिवेलपमेंट इंकम्पासिंग एग्रीबिजनेस, मीट एबिक द्वारा आयोजित की जाने वाले पहली एवर इनवेस्टस मीट है, जो इनवेबिटीज व स्टार्टअप्स के लिए एक मंच के रूप में काम करेगी। इस मीट का मुख्य उद्देश्य एग्री इवेटमेंट में निवेश करना, उद्यमशील परिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देना, एग्री आधारित इनोवेशन और एबीआईसी इन्क्यूबेटस की सफलता में नये आयम स्थापित करना है। इसमें भाग लेने के लिए स्टार्टअप्स एबिक सेंटर की ई-मेल एबिकसीसीएसएचएयू एट जीमेल डॉट कॉम पर अपना पंजीकरण करवा सकते हैं। इसके लिए प्रतिभागी को अपना नाम, फोन नंबर व ई-मेल की जानकारी देना अनिवार्य है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..... उत्तरांश

‘आइडिया इन्वेस्टर मीट’ 4 को

ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ/ਖੁਸ਼ਾਬੂ ਨੈਂਹ



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....फ्रेस 12.3.25

दिनांक12.12.2020 पृष्ठ संख्या..... कॉलम.....

एबिक में स्टार्टअप्स के लिए प्रथम आइडिया इन्वेस्टर मीट 4 दिसंबर को

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में नाबार्ड के तहत स्थापित एबिक केंद्र में ऑनलाइन माध्यम से 4 दिसंबर को आइडिया इन्वेस्टर मीट का आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए एबिक सेंटर की नॉडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने बताया कि इस मीट में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह मुख्यातिथि होंगे जबकि अध्यक्षता नाबार्ड के मुख्य महाप्रबंधक श्री राजीव महाजन अध्यक्षता करेंगे। उन्होंने बताया कि आइडिया डेवलेपमेंट इंकम्पासिंग एग्रीबिजनेस (दृष्टश्व) मीट एबिक द्वारा आयोजित की जाने वाले पहली एवर इन्वेस्टर्स मीट है। इस मीट का मुख्य उद्देश्य एग्री इन्वेटमेंट में निवेश करना, उद्यमशील परिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देना, एग्री आधारित इनोवेशन और एबीआईसी इन्क्यूबेटस की सफलता में नये आयाम स्थापित करना है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

सैनिक सभा

समाचार पत्र का नाम.....

दिनांक २५.१२.२०२० पृष्ठ संख्या..... १ कॉलम.....

न्यूज गैलरी

हकूमि के एबिक सेंटर में आइडिया इन्वेस्टर मीट ४ को

हिसार, (सुरेंद्र सोढ़ी) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में नाबाई के तहत स्थापित एबिक केंद्र में ऑनलाइन माध्यम से ४ दिसंबर को आइडिया इन्वेस्टर मीट का आयोजन किया जाएगा। एबिक सेंटर की नॉडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने बताया कि इस मीट में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह मुख्यातिथि होंगे जबकि अध्यक्षता नाबाई के मुख्य महाप्रबंधक राजीव महाजन अध्यक्षता करेंगे। इस मीट का मुख्य उद्देश्य एबी इन्वेस्टमेंट में निवेश करना, उद्यमशील परिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देना, एवं आधारित इनोवेशन और ख्याआईसी इन्वेस्टमेंट की सफलता में नये आयाम स्थापित करना है। उन्होंने बताया कि इस मीट में भाग लेने के लिए स्टार्टअप्स एबिक सेंटर की ई-मेल एबिकसीसीएसएचयूएट जीमेल डॉट कॉम पर अपना पंजीकरण करवा सकते हैं। इस मीट में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र से सम्मानित किया जाएगा।



डॉ. सीमा रानी



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.

Feb 12 25

दिनांक । - १२.२०२० पृष्ठ संख्या — कॉलम —

आइडिया इन्वेस्टर मीट चार को

हिसार, चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में नाबार्ड के तहत स्थापित एबिक केंद्र में ऑनलाइन माध्यम से 4 दिसंबर को आइडिया इन्वेस्टर मीट का आयोजन किया जाएगा। एबिक सेंटर की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने बताया कि इस मीट में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह मुख्यातिथि होंगे जबकि अध्यक्षता नाबार्ड के मुख्य महाप्रबंधक राजीव महाजन अध्यक्षता करेंगे। उन्होंने बताया कि आइडिया डेवलेपमेंट इंकम्पासिंग एग्रीबिजनेस मीट एबिक द्वारा आयोजित की जाने वाले पहली एवर इनवेस्टर्स मीट है, जो इनक्यूबेटीज व स्टार्टअप्स के लिए एक मंच के रूप में काम करेगी। इस मीट का मुख्य उद्देश्य एग्री इन्वेटर्स में निवेश करना, उद्यमशील परिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देना, एग्री आधारित इनोवेशन और एबीआईसी इनक्यूबेटर्स की सफलता में नये आयाम स्थापित करना है। मीट के दौरान स्टार्टअप्स, मेंटर्स, इन्वेस्टर्स, बिजनेस इनक्यूबेशन, छात्र इनोवेटर्स, उद्योगपति, इंटरप्रेन्योर्स को मिलाकर इंटरप्रेन्योर इकोसिस्टम के सभी स्टेकहोल्डर्स को लाने का प्रयास होगा। उन्होंने बताया कि इस मीट में भाग लेने के लिए स्टार्टअप्स एबिक सेंटर की ई-मेल एबिकसीसीएसएचएयू एट जीमेल डॉट कॉम पर अपना पंजीकरण करवा सकते हैं। इसके लिए प्रतिभागी को अपना नाम, फोन नंबर व ई-मेल की जानकारी देना अनिवार्य है, ताकि संबंधित को एबिक द्वारा इस मीट का लिंक भेजा जा सके। इस मीट में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र से सम्मानित किया जाएगा।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

सितंबर ५, २०२४

दिनांक ।. ।२। ।२०२४। पृष्ठ संख्या कॉलम

एचएयू में स्टार्टअप्स के लिए प्रथम आइडिया इन्वेस्टर मीट 4 को

सिटी पल्स न्यूज़, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में नाबाड़ के तहत स्थापित एविक केंद्र में ऑनलाइन माध्यम से 4 दिसंबर को आइडिया इन्वेस्टर मीट का आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए एविक सेंटर की नॉडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने बताया कि इस मीट में कुलपति प्रो. समर सिंह मुख्यातिथि होंगे जबकि अध्यक्षता नाबाड़ के मुख्य महाप्रबंधक राजीव महाजन अध्यक्षता करेंगे। उन्होंने बताया कि आइडिया डेवलोपमेंट इंकम्पासिंग एग्रीबिजनेस मीट एविक द्वारा आयोजित की जाने वाले पहली एवर इन्वेस्टर्स मीट है, जो

इनक्युबिटीज व स्टार्टअप्स के लिए एक मंच के रूप में काम करेगी। इस मीट का मुख्य उद्देश्य एग्री इन्वेटमेंट में निवेश करना, उद्यमशील परिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देना, एग्री आधारित इनोवेशन और एबीआईसी इन्क्यूबेटस की सफलता में नये आयाम स्थापित करना है। मीट के दौरान स्टार्टअप्स, मेटर्स, इन्वेस्टर्स, विजनेस इनक्यूबेशन, छात्र इनोवेटर्स, उद्योगपति, इंटरप्रेन्योर्स को मिलाकर इंटरप्रेन्योर इकोसिस्टम के सभी स्टेकहोल्डर्स को लाने का प्रयास होगा। इस मीट में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र से सम्मानित किया जाएगा।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

कृषि संपर्क

दिनांक ..!..12..2020..पृष्ठ संख्या.....कॉलम.....

१४४/२-३

एचएयू स्थित एबिक में स्टार्टअप्स के लिए प्रथम आइडिया इन्वेस्टर मीट 4 दिसंबर को

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में नाबाड़ के तहत स्थापित एबिक केंद्र में ऑनलाइन माध्यम से 4 दिसंबर को आइडिया इन्वेस्टर मीट का आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए एबिक सेंटर की नॉडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने बताया कि इस मीट में विश्वविद्यालय के कुलपति

प्रोफेसर समर सिंह मुख्यातिथि होंगे जबकि अध्यक्षता नाबाड़ के मुख्य महाप्रबंधक श्री राजीव महाजन अध्यक्षता करेंगे। उन्होंने बताया कि आइडिया डेवलेपमेंट इंकम्पासिंग एग्रीबिजनेस (दृष्टश्व) मीट एबिक द्वारा आयोजित की जाने वाले पहली एवर इनवेस्टर्स मीट है, जो इनक्युबिटीज व स्टार्टअप्स के लिए एक मंच के रूप में काम करेगी।



डॉ. सीमा रानी



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

पांच बजे

दिनांक २....१२....२०२० पृष्ठ संख्या..... कॉलम.....

एचएयू स्थित एबिक में स्टार्टअप्स के लिए प्रथम आइडिया इन्वेस्टर मीट 4 को

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में नाबार्ड के तहत स्थापित एबिक केंद्र में ३०नलाइन माध्यम से ४ दिसंबर को आइडिया इन्वेस्टर मीट का आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए एबिक सेंटर की नॉडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने बताया कि इस मीट में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह मुख्यातिथि होंगे जबकि अध्यक्षता नाबार्ड के मुख्य महाप्रबंधक श्री राजीव महाजन अध्यक्षता करेंगे। उन्होंने बताया कि आइडिया डेवलेपमेंट इंकम्पासिंग एंड बिजनेस (द्वृष्टि) मीट एबिक द्वारा आयोजित की जाने वाले पहली एवर इनवेस्टर्स मीट है, जो इनक्युबटीज व स्टार्टअप्स के लिए एक मंच के रूप में काम करेगी। इस मीट का मुख्य उद्देश्य एग्री इन्वेटमेंट में निवेश करना, उद्यमशील परिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देना, एग्री आधारित इनोवेशन और एबीआईसी इन्क्युबेटस की सफलता में नये आयाम स्थापित करना है। मीट के दौरान स्टार्टअप्स, मेटर्स, इन्वेस्टर्स, बिजनेस इनक्युबेशन, छात्र इनोवेटर्स, उद्योगपति, इंटरप्रेन्योर्स को मिलाकर इंटरप्रेन्योर इकोसिस्टम के सभी स्टेकहोल्डर्स को लाने का प्रयास होगा। उन्होंने बताया कि इस मीट में भाग लेने के लिए स्टार्टअप्स एबिक सेंटर की ई-मेल एबिकसीसीएसएचएयू एट जीमेल डॉट कॉम पर अपना पंजीकरण करवा सकते हैं। इसके लिए प्रतिभागी को अपना नाम, फोन नंबर व ई-मेल की जानकारी देना अनिवार्य है, ताकि संबंधित को एबिक द्वारा इस मीट का लिंक भेजा जा सके। इस मीट में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र से सम्मानित किया जाएगा।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..... लोक सभा.....

एचएयू स्थित एबिक में स्टार्टअप्स के लिए प्रथम आइडिया इन्वेस्टर मीट 4 को



देश के जाने माने इन्डेस्टर्स व नाबाई अधिकारी होंगे समझौते



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दीड़खला.....
दिनांक ..1.....12.....2020.....पृष्ठ संख्या.....—.....कॉलम.....—.....



एचएयू के कुलपति ने कृषि विज्ञान केंद्र टोहतक व
झज्जर के सामुदायिक रेडियो स्टेशनों का किया
उल्लासन

December 1, 2020

हिसार (सुमन सैनी)- चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि के कुलपति प्रोफेसर
समर सिंह ने कहा कि सामुदायिक रेडियो स्टेशनों के

AGRICULTURE

4 दिसंबर को एचएयू स्थित एबिक में स्टार्टअप्स के लिए
प्रथम आइडिया इन्वेस्टर मीट

December 1, 2020

हिसार(सुमन सैनी) - चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में नाबार्ड के
तहत स्थापित एबिक केंद्र में ऑनलाइन माध्यम से





चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

दिनांक पृष्ठ संख्या..... कॉलम.....

एचएयू रियत एबिक में स्टार्टअप्स के लिए प्रथम
आइडिया इन्वेस्टर मीट 4 दिसंबर को

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय
में नाबार्ड के तहत स्थापित एबिक केंद्र में ऑनलाइन
माध्यम से 4 दिसंबर को आइडिया इन्वेस्टर मीट
का आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए

एबिक सेंटर की नॉडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने

बताया कि इस मीट में विश्वविद्यालय के कुलपति

प्रोफेसर समर सिंह मुख्यातिथि होंगे

जबकि अध्यक्षता नाबार्ड के मुख्य

महाप्रबंधक श्री राजीव महाजन

अध्यक्षता करेंगे। उन्होंने बताया कि

आइडिया डेवलपमेंट इंकम्पासिंग

एप्रीबिजनेस (हृष्टश्व) मीट

एबिक द्वारा आयोजित की जाने

वाले पहली एवर इनवेस्टर्स मीट



डॉ. सीमा रानी

है, जो इनक्युबिटी और स्टार्टअप्स के लिए एक मंच
देते हैं।

दर्शक



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

संचय कहु

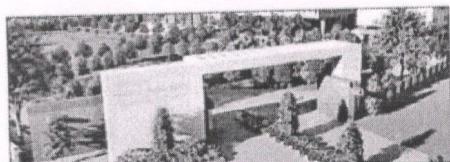
दिनांक २.१२.२०२० पृष्ठ संख्या..... कॉलम.....

विकास

हरियाणा के युवाओं को कृषि क्षेत्र में व्यापार व प्रबंधन का मिलेगा प्रशिक्षण

गुरुग्राम में खुलेगा इंस्टीट्यूट ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट एंड एग्रीप्रीन्योरशिप

सच कहु/संजय योहरा



गुरुग्राम। हरियाणा के युवाओं को कृषि क्षेत्र में व्यापार और प्रबंधन में प्रशिक्षण देने के लिए गुरुग्राम में 'इंस्टीट्यूट ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट एंड एग्रीप्रीन्योरशिप' खोला जाएगा। इस संस्थान के लिए गुरुग्राम जिला के गवर्नर दौलताबाद में जगह चिनित की गई है। कृषि से जुड़े उद्योगों और गुरुग्राम एंड इंस्टीट्यूट कारिगरीशन के आपात के प्रबंधन में युवाओं को प्रशिक्षित करने और उन्हें कृषि व्यापार के लिए वह संस्थान बनाना जा रहा है, जो गवर्नर दौलताबाद के निकट ६ एकड़ भूमि पर विकसित होगा। वह भूमि चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि

विश्वविद्यालय विसर ने सीज पर ली उद्घोषित करा कि यिसांने की आव वद्धने के लिए उन्हें उद्योगों के साथ जोड़ा जाएगा। इसके लिए इस प्रकार के संस्थान खोलने जहरी है ताकि युवा वर्ग को आज के समय की ज़रूरत के अनुराग की से जुड़े उद्योग लाने के लिए प्रेरित किया जा सके। आज के वैज्ञानिक परिदृश्य को देखते हुए युवाओं को परिपालन

खेती में वकलाव करते हुए कृषि के क्षेत्र में भी नए प्रोग करने की जरूरत है। युवा नई सोच के साथ नई विद्याएं की खेती करें और कृषि उद्योग से जुड़े उद्योग यथे खुद लगाएं। ऐसे इन उद्योगों का देश-विदेश में निवात करें। गुरुग्राम में इस संस्थान को स्थापित करने के पीछे एक कारण यह भी है कि गुरुग्राम जिला दिल्ली प्रशासनीय में स्थित है और अंतरराष्ट्रीय दर्दार्ड अंड्रू-नजदीक होने की वजह से देश-विदेश के कृषि वैज्ञानिकों नवा विशेषज्ञों को संस्थान में विद्यालयों से लूप होने के लिए आसानी से बुलाया जा सकता है।

5 विभागों के अधीन काम करेगा संस्थान

चौधरी दरर सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में बिजनेस मैनेजमेंट कॉलेजी की विभाग अध्यक्ष डॉ. सुनीता महला के मुख्यक गुरुग्राम का इंस्टीट्यूट ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट एंड एग्रीप्रीन्योरशिप मुख्य सूप से विश्वविद्यालय के 5 विभागों के अधीन काम करेगा। इनमे एग्री-बिजनेस, बिजनेस मैनेजमेंट, स्लर्ट मैनेजमेंट, इंटरैन्वेरशिप मैनेजमेंट तथा लॉ-ऑप्रेटिव मैनेजमेंट विभाग के हिसाब से संस्थान में 20-20 सीटें होंगी।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम:

ਗੁਣਗਾਮ ਮੇਂ ਖੋਲਾ ਜਾਏਗਾ 'ਇਸਟੀਟਯੂਟ ਑ਫ
ਬਿਜਨੇਸ ਮੈਨੇਜਮੈਂਟ ਏਂਡ ਏਗ੍ਰੀਪ੍ਰੀਨਿਊਰਿਸ਼ਨ'

अमर भारती संवाददाता

गुरुग्राम। हरियाणा के युवाओं को कृषि क्षेत्र में व्यापार और प्रबंधन में प्रशिक्षण देने के लिए गुरुग्राम में 'इस्टर्न्यूट' ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट एण्ड एप्लीकेशन्स' खोला जाएगा। इस संस्थान के लिए गुरुग्राम जिला के गांव दोलताबाद में जगह चिन्हित की गई है।

इस संबंध में जानकारी देते हुए बादशाहपुर के विधायक एवं दरियाणा एग्रो इन्स्टीज को पौरी तरह से चयनमैन राकेश दीलतालाबद ने बताया कि कृषि से जुड़े डेवलपर्स और व्यापारकों के प्रबलधन में खाली ओंकारों को प्रतिशिष्ठित करने और आगे उन्हें उन्नत बनाने के लिए यह सउंस्थन खाली जा रहा है जो गंगा दीलतालाबद के निकट 6 एकड़ भूमि पर विकसित होगा। यह

• हरियाणा एवा इस्ट्रीज कॉर्पोरेशन के चेयरमैन राकेश दौलतबाद ने बताया कि कृषि से जुड़े उद्योगों और व्यापार के प्रबंधन में युवाओं को प्रशिक्षित करने और उन्हें कुशल बनाने के लिए यह संस्थान खोला जा रहा है जो गांव दौलतबाद के निकट 6 एकड़ भूमि पर विकसित होगा।

भूमि चैधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार ने लीज पर ली है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के किसानों की आवाज 2022 तक दोगुनी करने के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए युवाओं को

कृषि से ज़ुड़े उद्योग धंधों के साथ जोड़ना और उन्हें प्रशिक्षित करना जरूरी है। इसी लक्ष्य को व्यान में रखते हुए यह संस्थान गुरुग्राम में खाली ज़मीन पर है। उद्दीपन बताया कि इस संस्थान का आधारशिला हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल के कर कमलों से रखवाई जाएगी। उन्होंने कहा कि किसानों की आय बढ़ाने के लिए उन्हें उद्योग के साथ जोड़ा जाएगा। इसके लिए इस प्रकार के संस्थान खोलने जरूरी हैं ताकि युवा वर्ग को आज के समय की जरूरत के अनुसार कृषि से ज़ुड़े उद्योग लाना के लिए प्रेरित किया जा सके। आज के वैश्विक परिवृश्य को देखते हुए युवा वर्ग को परपरागत खेती में बदलाव करते हुए कृषि के युवाओं में भवित्व पर योग्यता की जरूरत है। यवा नव सेवक के साथ

नई किस्म की खेती करें और कृषि उत्पादों से जुड़े उद्योग धंधे खुद लगाएं। फिर इन उत्पादों का देश-विदेश में नियांत करें।

चैथरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में बिजनेस मैनेजमेंट फैकल्टी की विभाग अध्यक्ष डा. सुनीता महला ने बताया कि गुरुग्राम का इस्टोट्रिट ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट एंड एप्रिल-जूनोरशिप मुख्य रूप से विश्वविद्यालय के विभागों के अधीन काम करता है। इनमें एप्रिल-बिजनेस, बिजनेस मैनेजमेंट, रस्ता मैनेजमेंट, एंटरप्रायरोशिप मैनेजमेंट तथा कॉर्पोरेट बिजनेजमेंट विभाग शामिल हैं। प्रलेख विधायक के हिताव से संस्थान में 20-20 से होगी जिन पर विद्यार्थियों का दाखिला होगा। इस लिहाज से संस्थान में कुल 100 सीटें होंगी।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....पंजाब कृषि संसारी.....

दिनांक २.१२.२०२० पृष्ठ संख्या.....३.....कॉलम.....२-४.....

'प्रदूषण लैवल पहुंचा 400 6 दिन साफ रहेगा नौसरा'

■ लगातार तीसरे दिन भी नारनौल व हिसार रहे शिमला से ठंडे

हिसार, 1 दिसम्बर (ब्यूरो): हल्की बारिश के बाद जहाँ प्रदूषण लैवल व तापमान में गिरावट दर्ज की गई थी अब मौसम में तबदीली के साथ ही बदलाव नजर आने लगा है। मंगलवार को फिर से प्रदूषण लैवल 400 तक पहुंच गया। हालांकि औसतन प्रदूषण लैवल 340 दर्ज किया गया। मंगलवार को पी.एम. 2.5 लैवल 236 से 401 के बीच रहा, वहीं पीएम 10 लैवल 131 से 309 रहा। हल्की बारिश होने के बाद से हवा साफ हो गई थी और प्रदूषण लैवल भी 100 से कम तक रह गया था। अब फिर से प्रदूषण में लगातार बढ़ाती होती जा रही है वहीं लगातार तीसरे दिन हिसार और नारनौल का रात्रि पारा शिमला से कम रहा।

हिसार में रात्रि पारा 6.7 डिग्री सैलियस दर्ज किया गया जो सामान्य से 3 डिग्री सैलियस रहा। दोपहर का पारा 27.1 डिग्री सैलियस दर्ज किया गया। यह पारा सामान्य से एक डिग्री सैलियस ज्यादा रहा। वहीं नारनौल का रात्रि पारा 6.6 डिग्री सैलियस दर्ज किया गया। शिमला का रात्रि पारा 10.3 डिग्री सैलियस दर्ज किया गया। चौधरी चरणसिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौसम विभाग के अनुसार 6 दिसम्बर तक मौसम आमतौर पर खुश रहने की संभावना है। अगले 3 दिन राज्य में उत्तर पश्चिमी हवाएं चलने से रात्रि तापमान में हल्की गिरावट, मौसम साफ तथा सुबह के समय कहीं-कहीं हल्की धुंध संभावित है। 4 दिसम्बर से 6 दिसम्बर के बीच पूर्व की हवाएं चलने की संभावना है, जिससे राज्य में आमतौर पर आंशिक बादलवाई रहने की संभावना है।

हिसार व अन्य शहरों में रात्रि पारा

शहर	रात्रि पारा
हिसार	6.7
अम्बाला	8.3
भिवानी	8.3
कुरुक्षेत्र	9.0
नारनौल	6.6
रोहतक	8.2
सिरसा	9.1

ठंडे इलाकों का रात्रि तापमान

शिमला	10.3
धर्मशाला	8.8
कसौली	11.2
मनाली	3.4.